

# डॉ. मार्व विल्सन, भविष्यवक्ता, सत्र 14, आमोस का समापन, होशे का आरंभ

© 2024 मार्व विल्सन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. मार्व विल्सन द्वारा भविष्यवक्ताओं पर दी गई शिक्षा है। यह सत्र 14 है, आमोस का समापन, होशे की शुरुआत।

ठीक है, मैं शुरू करने जा रहा हूँ, तो आइए प्रार्थना का एक शब्द कहें, कृपया।

यह वह दिन है जिसे आपने हमारे पिता के रूप में बनाया है, हमारे पास कल नहीं है, हमारे पास आज है। और हम प्रार्थना करते हैं कि आज हम मसीह के स्कूल में और अधिक सीखेंगे। आपका धन्यवाद कि आपने ए.जे. गॉर्डन को मसीह का स्कूल स्थापित करने के लिए बुलाया।

प्रार्थना करें कि आज आपके साथ हमारा चलना ईमानदारी, वफ़ादारी और ईमानदारी से भरा हो। हम आपको उन भविष्यवक्ताओं के लिए धन्यवाद देते हैं जिन्होंने अपनी पीढ़ी को टोरा के उच्च और महान नैतिक, नैतिक और आध्यात्मिक सत्यों के लिए बुलाया। धन्यवाद। आपने हमें अपने वचन में टोरा दिया है ताकि हमारे जीवन को दिशा मिल सके।

मैं आपसे प्रार्थना करता हूँ कि आप जो भी इसराइल के साथ अपने रिश्ते में हैं, उससे हम जो भी सीखते हैं, हम उसे याद रखेंगे कि आप हमारे लिए भी वैसे ही हैं। इसराइल के परमेश्वर का धन्यवाद, जो सहनशील है; हममें से कुछ लोग आज यहाँ नहीं होते। इसराइल के परमेश्वर का धन्यवाद, जो तब भी वफ़ादार रहता है जब हम सभी बेवफ़ाई के दौर से गुज़रते हैं।

आप जो हैं उसके लिए और हमारे प्रभु मसीह के माध्यम से आपके वचन के प्रकटीकरण के लिए धन्यवाद। आमीन।

ठीक है, मैं आमोस के बारे में कुछ अंतिम बातें कहना चाहता हूँ।

मैंने कहा कि सच्चे धर्म के बारे में आमोस का दृष्टिकोण 5.24 में पाया जाता है, जहाँ वह धार्मिकता और न्याय को झरने की तरह नीचे गिरने के लिए कहता है। और इसलिए फिर से, भविष्यवक्ताओं को इस बात की चिंता है कि आप कैसे जीते हैं, न कि केवल अनुष्ठान और समारोह के सभी बारीक विवरणों की। और हमें पुराने नियम में इन बातों को तनाव में रखना होगा।

परमेश्वर चाहता था कि उसके लोग समारोह मनाएँ, लेकिन समारोहों में एक प्रामाणिक जीवन निहित होना चाहिए। इसलिए, आमोस अनुष्ठान को हटाने की इच्छा में अतिवादी लगता है। और वह सही है जब वह हृदयहीन अनुष्ठानों, खोखले और शर्मनाक समारोहों को हटाने का आह्वान करता है।

अब, पुस्तक के अंतिम भाग में उन्हें 5 दर्शनों की श्रृंखला मिली। इससे पहले कि मैं उन 5 दर्शनों के बारे में संक्षेप में बात करूँ, आपको याद होगा कि अध्याय 7 की आयत 10-17 में एक

दिलचस्प छोटा सा पेरिकोप या ऐतिहासिक अंतराल है जहाँ हमें भविष्यवक्ता के व्यक्तिगत जीवन के बारे में कुछ जानकारी मिलती है। यहाँ वह रेखा के पार जाता है, ये भविष्यवक्ता हमेशा रेखा के पार जाते हैं, लेकिन इस मामले में उत्तरी राज्य के दक्षिणी भाग में बेथेल तक की भौगोलिक सीमा है।

और वहाँ उसका सामना एक पुजारी से होता है जो वहाँ के मंदिर में काम करता है जिसका नाम अमाजियाह है। और वह मूल रूप से वहाँ अपने भविष्यसूचक बम गिराता है, बहुत परेशान करने वाला, वास्तव में बिना किसी अनिश्चित शब्दों के उत्तरी राज्य को उखाड़ फेंकने का आह्वान करता है। इसे देशद्रोही और विध्वंसक माना जाता था; यिरम्याह तलवार से मर जाएगा, और इस्राएल अपने मूल देश से दूर निर्वासन में चला जाएगा।

कोई भी दक्षिण के उस व्यक्ति से यह सुनना नहीं चाहता था जो उत्तर में इस मूर्तिपूजक मंदिर में बोल रहा था। अमाज्या ने उसे वापस बुलाया और कहा, यहूदा की भूमि पर वापस जाओ, वहाँ अपनी रोटी खाओ, और वहाँ अपनी भविष्यवाणी करो; राजा के इस पवित्र स्थान और राज्य के इस मंदिर में मत आओ। फिर, अमोस के सबसे महत्वपूर्ण छंदों में से एक में, मुझे लगता है कि आपको अपनी सोच में बदलाव करने की ज़रूरत है, और वह है 7-14।

अमोस ने बस इतना कहा कि मैं यहाँ इसलिए नहीं हूँ कि मेरे पास भविष्यवाणी में डिग्री है, बल्कि मैं इसे आजमाने आया हूँ; वास्तव में, वह उस विशेष समय में किसी भी तरह के औपचारिक संघ या भविष्यवक्ता संबंध से खुद को अलग कर लेता है। उसने कहा, मैं नवी नहीं हूँ, मैं नबी नहीं हूँ, और मैं बेन-नवी नहीं हूँ, मैं नबी का बेटा नहीं हूँ, और मैं किसी नबी संगठन के लिए काम नहीं करता, मैं एक गैर-नबी हूँ, मूल रूप से वह यही कह रहा है। वह केवल अपने आह्वान, अपने आह्वान, अपने आह्वान की अपील करता है।

प्रभु ने मुझे झुंड का पीछा करने से बुलाया। अमोस एक आम आदमी था जिसे परमेश्वर ने बुलाया और इस्तेमाल किया। जबकि वह गूलर के पेड़ों की देखभाल करता था, वह एक तरह का बागवानी करने वाला व्यक्ति था, वह एक बाहरी व्यक्ति था, लेकिन परमेश्वर ने बस इतना कहा, मेरे लोगों इस्राएल के लिए भविष्यवाणी करने के लिए जाओ।

अब, यहाँ, प्रभु का वचन कुछ हद तक यहजेकेल की तरह लगता है। और वह इसे और भी आगे बढ़ाता है, यह बताते हुए कि कैसे अमस्याह की पत्नी वेश्या बनने जा रही है और परिवार तलवार से मरने जा रहा है। कोई आश्चर्य नहीं कि वह बेथेल में अवांछित व्यक्ति था।

मंदिर में अपने अंतिम शब्दों में, अमोस ने अनुमान लगाया कि इस्राएल निश्चित रूप से निर्वासन में चला जाएगा। उनके शब्दों में, 721 में, उत्तरी राज्य को असीरिया में निर्वासित कर दिया जाएगा, जो इस समय के कई दशकों बाद होगा। इन अंतिम तीन अध्यायों में, अमोस इस्राएल की स्थिति के बारे में अपने तथाकथित पाँच दर्शनों की शुरुआत करता है।

मैंने पिछली बार अध्याय 7:1-3 के बारे में संक्षेप में बात की थी, जो टिड्डियों से संबंधित है। वह अब्राहम की तरह एक मध्यस्थ के रूप में कार्य करता है जो सदोम के लिए मध्यस्थता करता है।

वह यहाँ परमेश्वर से विनती कर रहा है, और इसलिए इसके बाद परमेश्वर की क्षमा आती है - इस्राएल के लिए परमेश्वर की क्षमा, इसलिए जाहिर है, टिड्डियों को बुलाया जाता है।

इसलिए, भगवान नरम पड़ जाते हैं, श्लोक 3. फिर, दूसरे दर्शन में, अध्याय 7 के श्लोक 4-6 में, भगवान आग से न्याय के लिए पुकार रहे हैं। वर्णन सृष्टि की इस आदिम गहराई का प्रतीत होता है, जो आग से भस्म होने जा रही है। आग को दुनिया की जल आपूर्ति का स्रोत माना जाता है।

तो, यहाँ स्पष्ट रूप से सूखे की तस्वीर है क्योंकि दर्शन में यह दिखाया गया है कि इसने महान गहराई को सुखा दिया है और भूमि को निगल लिया है। और इसलिए, वह फिर से चिल्लाता है, और एक बार फिर, परमेश्वर का पीछे हटना, उसका नरम पड़ना, उसकी क्षमाशीलता है। तीसरा चित्र साहुल रेखा का है, और यह श्लोक 7-9 में है।

सबसे पहले, एक साहुल रेखा। साहुल रेखा एक बढ़ई का औज़ार है। साहुल रेखा बहुत ही सरलता से रस्सी या डोरी के सिरे पर एक रास्ता है जिसके सिरे पर एक भार होता है, जो एक निर्माण कार्यकर्ता के लिए होता है, और उन्होंने प्राचीन दुनिया में बहुत सारे घर और बहुत सारी दीवारें बनाई हैं, आपको बस इतना करना है कि पुरातात्विक रूप से इज़राइल के चारों ओर दौड़ें और सभी चट्टानों और सभी दीवारों की जाँच करें, और उनमें से बहुत सारे हैं।

लेकिन आपको उन्हें सीधा खड़ा करना था, जिसका मतलब है कि उन्हें बिल्कुल सीधा खड़ा होना था। इसलिए जब आप इस डोरी को उसके सिरे पर लगे वजन के साथ लेते हैं, और इसे दीवार के बगल में रखते हैं, तो आप देखते हैं कि दीवार झुकी हुई है या नहीं, यह देखने के लिए कि क्या यह बिल्कुल सीधी है, और क्या वह निर्माण सही है, या सीधा है। हम ऑर्थोडॉक्सी शब्द सुनते हैं, वैसे ऑर्थो एक ग्रीक न्यू टेस्टामेंट शब्द है, जिसका अर्थ सीधा या सही है।

आप अपने दांतों को सीधा करने के लिए ऑर्थोडेंटिस्ट के पास जाते हैं। तो, रूढ़िवाद सीधी सोच या सीधी शिक्षा है। अब इस विशेष मामले में, दीवार उत्तरी राज्य, इज़राइल का राज्य है।

और इसलिए, साहुल रेखा के साथ वहाँ कौन है? प्रभु वहाँ है, और वह पूछता है, आमोस, तुम क्या देखते हो? और वह साहुल रेखा कहता है, और परमेश्वर कहता है कि वह अपने लोगों के बीच में उस साहुल रेखा को स्थापित कर रहा है। इसका परिणाम यह है कि इस्राएल परमेश्वर के सीधेपन और ऊर्ध्वाधरता के मानक को पूरा नहीं करता है। इस्राएल को साहुल रेखा नहीं लगानी है, और वह उसकी धार्मिकता के मानक का पालन नहीं करता है।

संक्षेप में कहें तो, इज़राइल गलत रास्ते पर चल रहा है। शायद पिज़्जा की झुकी हुई मीनार की तरह। तो, फिर से, यह एक उदाहरण है कि इज़राइल परमेश्वर के धार्मिकता के सही या सीधे मानक से दूर जा रहा है।

चौथा दर्शन गर्मियों के फलों की टोकरी का है। गर्मियों के फलों के लिए हिब्रू शब्द है कयेत्ज़। और यहाँ एक बहुत ही बढ़िया शब्द-क्रीड़ा है, जिसे आप तब तक नहीं समझ पाएँगे जब तक आप इन शब्दों को एक साथ न सुनें।

शब्द फल, कयेत्ज़ , और शब्द अंत, कयेत्ज़ । अध्याय 8, श्लोक 1, यह वही है जो प्रभु ने मुझे दिखाया, पके हुए गर्मियों के फलों की एक टोकरी। तुम क्या देखते हो, आमोस? उसने कहा, कयेत्ज़ की एक टोकरी ।

और मैंने उत्तर दिया, तब लोगों ने मुझसे पूछा, तुम क्या देखते हो? कयेत्ज़ की एक टोकरी । और प्रभु ने मुझसे कहा, कयेत्ज़ , थाइम, मेरे लोगों इस्राएल के लिए पका हुआ है। और यहाँ अंग्रेजी में, अनुवाद, आप जिस पर भी नज़र डालते हैं, उसके आधार पर, कुछ यहाँ वाक्य को संरक्षित करने में दूसरों की तुलना में बेहतर काम करते हैं।

RSV में लिखा है कि गर्मी के फलों की टोकरी और अंत आ गया है। और यह वचन मेरे लोगों, इस्राएल पर आ गया है। और ये दो पंक्तियाँ 8:2 में समानांतर हैं। NIV में इसे गर्मी के फलों की टोकरी और न्याय के लिए अजवायन के फूल का पकना बताया गया है।

तो, थाइम परिपक्व है, या अंत, कयात्ज़ है, स्पष्ट रूप से निर्णय के लिए परिपक्व है। और अंत निर्णय के लिए परिपक्व है। कयात्ज़ को काटना ।

यहाँ मुद्दा क्या है? इज़रायल बाहर से तो ठीक दिख रही थी। वह बाहर से तो सुंदर दिख रही थी। लेकिन वह अंदर से सड़ रही थी, दिल से सड़ रही थी।

इसलिए, राष्ट्र न्याय के लिए तैयार है। अध्याय 8 के बाकी हिस्सों में, आमोस थोड़ा विस्तार से बताता है कि इस्राएल न्याय के लिए तैयार क्यों है। फिर से, हमें याद दिलाया जाता है कि जीवनशैली में ईमानदारी, ईमानदारी और दूसरे लोगों के साथ व्यापार करने में ईमानदारी महत्वपूर्ण है।

आपका आचरण, आपका चरित्र। उदाहरण के लिए, श्लोक 4 से 6 को देखें। आमोस ने अपने ध्यान में अमीरों, अमीरों के लालच, अमीरों की कंजूसी और उसके विपरीत, गरीबों के असहनीय उत्पीड़न को रखा है। और इसलिए, मुझे श्लोक 4 से 6 पढ़ने दें। यह सुनो, तुम जो जरूरतमंदों को रौंदते हो और देश के गरीबों को खत्म कर देते हो।

नया चाँद कब खत्म होगा? ध्यान दें कि यह कैपिटल एन, कैपिटल एम और नया चाँद है। यह प्राचीन इज़राइल में उनके मासिक कैलेंडर में शामिल था, अगर आप चाहें तो एक अतिरिक्त शब्द क्योंकि नया चाँद एक ऐसा दिन था जब कोई काम नहीं किया जाता था। और, ज़ाहिर है, हर 28 या 29 दिनों में, आपके पास रोश होदेश, एक नया चाँद होता था।

आज इज़राइल की भूमि में हिब्रू में नया नियम बेरिट होदेशाह है , जो कि नया चाँद है। नए नियम में, आप होदेशाह शब्द सुनते हैं , जो कि स्त्रीलिंग रूप है। और यह रोश होदेश, यह नया चाँद, एक ऐसा समय था जब सब्त के दिन की तरह, आप व्यापार में शामिल नहीं होते थे।

लेकिन इस समय के दौरान ये लालची व्यापारी, अमोस यहाँ उल्लेख करते हैं, जो अपने अनाज को बेचने के लिए नए चाँद के खत्म होने का इंतज़ार नहीं कर सकते। लेकिन यह सिर्फ लोगों को

अपना अनाज बेचने से कहीं ज़्यादा है। या, अपने लालच में, शनिवार दोपहर सूर्यास्त के बाद साप्ताहिक शबात के खत्म होने का इंतज़ार करते हैं ताकि वे अनाज बेच सकें।

लेकिन यह इस बात पर निर्भर करता है कि वे किस तरह से अनाज बेचते हैं, हम अपने गेहूं को माप में कमी करके, कीमत बढ़ाकर और बेईमान तराजू से धोखा देकर आश्चर्यचकित हो सकते हैं। आज का अंग्रेजी संस्करण इसे इस प्रकार प्रस्तुत करता है: सब्त और नया चाँद कब समाप्त होगा ताकि हम अपने ग्राहकों को धोखा देने के लिए अधिक कीमत वसूल सकें, गलत माप का उपयोग कर सकें और तराजू को ठीक कर सकें? यह बहुत आधुनिक भाषा में इसे स्पष्ट करता है। तो, व्यापार में ईमानदारी।

आमोस अमीरों के बारे में चिंतित था क्योंकि वे धोखा दे रहे थे। वे अपनी दौलत हासिल करने में बेईमान थे। श्लोक 8 कहता है कि पूरी धरती नील नदी की तरह ऊपर उठेगी और नीचे गिरेगी। और, बेशक, यहाँ वह बाढ़ के मौसम के बारे में बात कर रहा है।

सितंबर के अंत और अक्टूबर की शुरुआत में, नील नदी बहुत अच्छे वर्षों में 50 फीट तक बढ़ जाती है। नील नदी के किनारे पुरातत्वविदों को नील मीटर मिले हैं जो फीट की संख्या में वृद्धि और गिरावट को दर्शाते हैं। लेकिन उत्तरी राज्य की भूमि मिस्र की इस महान नदी की तरह डूबने वाली है।

फिर से दिलचस्प बात यह है कि उन्होंने प्रकृति से एक आकृति चुनी है। वह पानी जो पूरे नील डेल्टा में जीवन लाता था, उत्तरी राज्य गिरने वाला है और गाना रोने में बदल जाएगा और लोग टाट पहनेंगे, जो काले, गहरे भूरे रंग की बकरी की खाल है, जिसे लोग शोक के समय त्रासदी के समय पहनते थे। तुम अपने सिर मुंडाओगे, तुम एक इकलौते बेटे की मौत की तरह शोक मनाओगे क्योंकि देश में अकाल आएगा।

आमोस कहते हैं कि प्रभु के वचनों को सुनने के लिए अकाल पड़ा है। वह अध्याय 8 को उत्तरी राज्य के विभिन्न धार्मिक केंद्रों के कुछ देवताओं का उल्लेख करके समाप्त करता है। वह दान और बेशेबा का उल्लेख करता है।

इसलिए हम कॉलेज में बाइबल 101 का अध्ययन करते हैं क्योंकि आप जानते हैं कि दान और बेशेबा के साथ क्या हुआ था। क्योंकि जैसे ही यारोबाम मिस्र से वापस आया, सुलैमान की मृत्यु के समय राज्य के विभाजन के बाद, वह अपने साथ सोने के बछड़े लाया और वे धर्मत्याग के महान केंद्र बन गए। दान और बेथेल, और यहाँ तक कि वह अपने दक्षिणी राज्य, बेशेबा के देवता का भी उल्लेख करता है।

ये गिर जाएँगे। यहाँ तक कि बेशेबा में भी मूर्तिपूजक वेदियाँ पाई गई हैं। इसलिए, वह कहता है कि वे गिर जाएँगे, और फिर कभी नहीं उठेंगे।

अतिशयोक्ति, चरम, अतिशयोक्ति, कभी-कभी लोगों का ध्यान आकर्षित करने के लिए बाइबल की कविताएँ यही होती थीं। अध्याय 9:1-10 में अंतिम दर्शन में प्रभु वेदी के पास खड़े हैं। न्याय का चित्र।

एक मंदिर जो भक्तों से भरा हुआ है और पूरी इमारत अचानक उन पर गिर जाती है और कोई भी बच नहीं पाता। यह हमें न्यायियों में सैमसन की कहानी की याद दिलाता है। इमारत गिर जाती है और कोई भी बच नहीं पाता।

अब, इस्राएल की स्थिति और परमेश्वर के न्याय के पाँच दर्शनों की एक श्रृंखला के साथ, जो कि भविष्यवक्ताओं में बहुत आम है, हम कड़वे से मीठे की ओर बढ़ते हैं। न्याय से आशा की ओर। और इस तरह आमोस अपनी भविष्यवाणी को समाप्त करता है।

यह इस्राएल की पुनर्स्थापना के उद्देश्य से है। हालाँकि, इससे पहले कि वह इस बारे में बात करे, उसके पास एक दिलचस्प छोटी सी आयत है जिसे आपको 9:7 में नहीं भूलना चाहिए, जिसे यहाँ छिपा दिया गया है। क्योंकि एक बार फिर हम पुराने नियम के शास्त्रों को पढ़ते हैं और हमें एहसास होता है कि परमेश्वर विशेष है।

इसका मतलब है, उसके पास लोगों के एक समूह के साथ एक वाचा है। लेकिन फिर भी, हमारे पास पुराने नियम में ये बिखरे हुए पाठ हैं जो हमें याद दिलाते हैं कि यह केवल इस्राएल का परमेश्वर नहीं है। उसके पास वह अंतरराष्ट्रीय प्रेम है जिसके बारे में हमने योना में बात की थी।

कि ईश्वर वास्तव में उसी समय अन्य राष्ट्रों के बीच भी दैवीय रूप से कार्य कर रहा है। और इसलिए, प्रभु 9-7 में कहते हैं, हे इस्राएल के लोगों, क्या तुम मेरे लिए इथियोपियाई लोगों की तरह नहीं हो? इथियोपियाई? अफ्रीका के ये लोग? क्या तुम्हारा मतलब है कि तुम उनके जैसे नहीं हो? तुम्हें उनमें रुचि है? ईश्वर भविष्यवक्ता के माध्यम से कहते हैं, क्या मैं इस्राएलियों को मिस्र की भूमि से और पलिशतियों को कप्तोर के द्वीप से नहीं लाया? कप्तोर क्या है? यह भूमध्य सागर में क्रेते का द्वीप है। इस पाठ के अनुसार, वे कप्तोर से आए थे, और वे तट के किनारे बस गए।

परमेश्वर कहता है कि वह पलिशतियों को इस देश में लाया, और मैं सीरियाई लोगों को कीर से लाया। दूसरे शब्दों में, परमेश्वर अन्य राष्ट्रों की परवाह करता है, उनसे प्रेम करता है, और उनके लिए चिंतित है।

परमेश्वर की नज़र में इब्रानियों की स्थिति भी अलग नहीं है। वे इथियोपियाई लोगों से एक ही स्तर पर हैं। परमेश्वर विदेशी राष्ट्रों के लिए भी चिंतित है।

इसलिए, इब्रानियों के लिए यह दावा करने का कोई कारण नहीं है कि परमेश्वर उन्हें मिस्र से कनान में इस्राएल की भूमि पर ले आया। परमेश्वर ने पलिशतियों को भी उनके देश से और सीरियाई या अरामियों को भी उनके देश से बाहर निकाला। परमेश्वर सभी मानवजाति से प्रेम करता है।

अब, बेशक, योना उस विषय पर बड़ा है। रूथ उस विषय पर बड़ा होगा जब एक मोआबी महिला मसीहा के वंश में आती है। वे पुस्तकें भी उस विषय को दर्शाती हैं।

पुस्तक पुनर्स्थापना के विषय के साथ समाप्त होती है, जिसमें परमेश्वर एक बार फिर दाऊद के गिरे हुए तम्बू को पुनर्स्थापित करता है। क्या इसका मतलब यह है कि दाऊद की वंशावली का पुनरुत्थान हो सकता है? मुझे ऐसा लगता है। जब यह लिखा गया था तब दाऊद दो दिन से तीन शताब्दियों तक चला गया था।

याद रखें, हम डेविड को लगभग 1000 साल पुराना मानते हैं। और आमोस ने इसे 700 के दशक के मध्य में लिखा है। तो, यह इसराइल के सबसे महान राजा, इस योद्धा राजा के बारे में बताता है।

यह उस व्यक्ति की ओर से है जिसने सभी जनजातियों, बारह जनजातियों को एक साथ लाने की योजना बनाई थी। उसने हेब्रोन में अपने कबीले पर साढ़े सात साल तक शासन किया और फिर अपने शासनकाल के अंतिम 33 वर्षों के लिए सब कुछ यरूशलेम ले गया। तो, ऐसा लगता है कि यह दाऊद का गिरता हुआ राजवंश है। क्या यह दाऊद का घराना, बारह जनजातियों का संयुक्त राज्य हो सकता है? या, क्या यह दाऊद का घराना हो सकता है, दाऊद के तम्बू का पुनरुद्धार यरूशलेम में दाऊद के आध्यात्मिक शासन का संदर्भ हो सकता है, जो मसीह की मृत्यु और महान दाऊद के रूप में पुनरुत्थान के साथ शुरू हुआ, नए नियम के अनुसार उसके शासन का उद्घाटन, ल्यूक 1 की पूर्ति में है। नया नियम 32 और 33 इस व्यक्ति की घोषणा करता है जो पैदा होगा।

और मसीह के जन्म की घोषणा क्या है? वह अपने पिता दाऊद के सिंहासन पर बैठेगा और याकूब के घराने पर हमेशा के लिए राज करेगा, और उसके राज्य का कोई अंत नहीं होगा। ये वे शब्द थे जो दाऊद ने यीशु के जन्म के बारे में पाठ में कहे थे, यह घोषणा कि किसी तरह उसका जन्म एक पुनरुद्धार, एक पुनर्स्थापना, किसी तरह से परमेश्वर द्वारा दाऊद के परिवार को दिए गए वादों को पूरा करने से जुड़ा था। बेशक, हम इसे एक आध्यात्मिक राज्य के रूप में समझते हैं, न कि एक शाब्दिक राज्य के रूप में।

आध्यात्मिक, सांसारिक और राजनीतिक राज्य। कुछ विद्वान इस पुनरुत्थान, पुनर्स्थापना और नवीनीकरण को आमोस के अंत में कहेंगे, जहाँ ये शब्द मूल रूप से इज़राइल को दिए गए थे, और यह कि वह अपने सांसारिक शत्रुओं के सामने सही साबित होगी, श्लोक 12, वे एदोम के बचे हुए लोगों पर कब्ज़ा कर लेंगे। मेरे नाम को धारण करने वाले सभी राष्ट्रों में, जो मसीहा के सार्वभौमिक शासन की बात करता है, जब भी ऐसा होता है, उस दिन योम हाहू द्वारा, उस दिन, जो एक विशिष्ट भविष्यवाणी सूत्र है जब भगवान भविष्य में कार्य करते हैं।

पाठ की भाषा एक तरह की ईडन, मसीहाई समृद्धि की बात करती है जो एक नए सिरे से धरती की बात करती है जिसे केवल ईश्वरीय हस्तक्षेप द्वारा लाया जा सकता है, जैसे कि यहजेकेल, यशायाह 2 और मीका 4, जहाँ ईश्वर का शासन और शासन और युद्ध की कला ईश्वर के हस्तक्षेप के माध्यम से आती है। यहाँ, वह कृषि के बारे में बात करता है जो लगभग एक ईडन, प्राचीन समाज में लौट रही है, जहाँ भाषा काव्यात्मक है, लेकिन चीजें इतनी उपजाऊ हैं कि हल चलाने वाला काटने वाले से आगे निकल जाता है। इन सबके बीच, ईश्वर एक बार फिर अपने लोगों को आश्वासन देता है कि वह उन्हें उनकी अपनी भूमि पर रोपेगा, फिर कभी उखाड़ा नहीं जाएगा, आमोस 9.15। क्या आप जानते हैं कि 14 मई, 1948 को इज़राइल राज्य की स्थापना से पहले

न्यूयॉर्क शहर में संयुक्त राष्ट्र में यहूदी लोग आए थे, जिन्होंने इस पाठ और कई अन्य ग्रंथों को उद्धृत किया था, कि उन्हें घर आने और अपने शहर बनाने और उस भूमि में शांति और उत्पादकता में रहने का दिव्य अधिकार था?

इस पाठ में यह ज़रूर कहा गया है कि वे बर्बाद शहरों का पुनर्निर्माण करेंगे और उनमें रहेंगे, और वे खेती और अन्य काम करेंगे। हो सकता है कि आप बाइबल को ठीक उसी तरह न पढ़ें जैसे यहूदी लोग पढ़ते हैं, लेकिन आमोस के इस अंत ने कई आधुनिक ज़ायोनीवादियों को उनके घर लौटने के लिए प्रेरित किया है। क्या यह अंतिम वापसी है? निश्चित रूप से, कोई नहीं जानता।

यहूदी अपने घर वापस आ गए और फिर से उजाड़ दिए गए। उनके इतिहास में ऐसा कई बार हुआ है। प्रेरितों के काम की पुस्तक में, यरूशलेम की परिषद में, इस अंश को उद्धृत किया गया है जब यीशु के सौतेले भाई यरूशलेम की परिषद की अध्यक्षता करने के लिए उठते हैं।

और आपको यरूशलेम की परिषद का मुद्दा याद होगा। गैर-यहूदी लोग नए मसीहाई चर्च में यहूदियों के साथ शामिल होने के लिए आ रहे थे। और वे गैर-यहूदियों की बहुतायत के साथ यहूदी उपस्थिति को खत्म कर रहे थे।

और इसलिए, याकूब वास्तव में इस अंश को यह दिखाने के उद्देश्य से उद्धृत करता है कि अन्यजातियों का वर्तमान उद्धार परमेश्वर के भविष्यसूचक उद्देश्य के अनुरूप है। और दुनिया में बहुत से लोग हैं, बहुत से विद्वान हैं, जो इस अंश में एक तरह की बहुविध पूर्ति देखेंगे। इसका उद्घाटन दाऊद के मसीहा के आने के माध्यम से दाऊद की उपस्थिति की बहाली के साथ हुआ है।

गैर-यहूदी लोग मुख्य रूप से उस मसीहा का संदेश प्राप्त करने के लिए आए थे। कुछ लोग मानते हैं कि परमेश्वर अभी भी राष्ट्रीय इस्राएल के लिए एक भविष्य है। इस्राएल की अपनी प्राचीन मातृभूमि में बहाली के मूल संदर्भ में लौटने के बारे में आमोस की भाषा का भविष्य में भी अर्थ होगा।

तो, आमोस का अंत बहुत ही सकारात्मक नोट पर होता है। होशे पर जाने से पहले क्या आमोस के बारे में कोई सवाल है?

मैंने कहा कि बाइबल में कुछ किताबें हैं, खास तौर पर पुराने नियम में, जिनकी व्याख्या करना हमारे लिए चुनौतीपूर्ण है। गीतों का गीत उनमें से एक है। और होशे उनमें से एक है क्योंकि वह बहुत बुद्धिमान व्यक्ति है। वह बहुत बुद्धिमान व्यक्ति है। होशे के विवाह का मुद्दा एक दिलचस्प सवाल उठाता है कि भगवान ने एक भविष्यवक्ता को एक बदनाम महिला, एक वेश्या, एक वेश्या या एक व्यभिचारिणी से विवाह करने का आदेश दिया।

आप किस पाठ का उपयोग करते हैं, इसके आधार पर उसे कई अलग-अलग नामों से पुकारा जाता है। होशे नाम एक अच्छा हिब्रू नाम है। आप होशे में यीशु का नाम यशाह सुन सकते हैं, जो हिब्रू क्रिया है जिसका अर्थ है बचाना या मुक्ति दिलाना।



इसलिए, होशे, जो बदनाम महिला के लिए हिब्रू नाम भी है, यहोशू नाम के समानांतर है और यहां तक कि यशायाह का नाम भी है जिसमें यह मूल शामिल है, जिसका अर्थ है उद्धार, सहायता, उद्धार, होशे। वह आमोस के समय उत्तरी राज्य में काम कर रहा है। हम यह कैसे जानते हैं? निम्नलिखित कुछ आयतों में अपनी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि देखें।

वह उत्तरी राज्य में, 8वीं शताब्दी ईसा पूर्व के पहले भाग में उज्जियाह के दिनों में भविष्यवाणी कर रहा है। याद रखें कि उज्जियाह की मृत्यु 740 में हुई थी। इसलिए, वह उससे पहले के समय की भविष्यवाणी कर रहा है।

और योताम, आमोस, अम्मोन, आहाज और हिजकियाह के समय में, यहूदा के राजा। और यारोबाम द्वितीय के दिनों में, जिसके बारे में हमने अभी बात की थी, जब आमोस बेथेल के मंदिर में था। यह यारोबाम द्वितीय है, जो हमें 8वीं शताब्दी के मध्य में ले जाता है।

हिब्रू बाइबिल में इज़राइल, यिसरेल शब्द का कई तरह से इस्तेमाल किया गया है। उत्पत्ति 22 में इस देवदूत, यब्बोक में इस दिव्य प्राणी के साथ मुठभेड़ के बारे में बताया गया है और कुशती के मुकाबले में हमें वह व्यक्ति मिलता है जो अपने वंशजों को अपना नाम देता है जो याकूब की सीढ़ी या स्वर्ग तक जाने वाली इस सीढ़ी के अनुसार इज़राइल के बच्चे हैं। उसके वंशज उत्तर, पूर्व, दक्षिण और पश्चिम में फैलने वाले हैं।

तो, याकूब के समय के बाद, इस्राएल, जिसका नाम बदलकर वह कर दिया गया जिसने परमेश्वर के साथ संघर्ष किया, कुशती लड़ी या संघर्ष किया, उसके वंशज बन गए B'nai Yisrael। हम B'nai Yisrael, राजा जेम्स और इस्राएल के बच्चों का अनुवाद करते हैं। सही मायने में B'nai का मतलब है इस्राएल का बेटा।

यिसरेल शब्द का अर्थ इज़राइल है, लेकिन इसमें महिलाएँ भी शामिल हैं। हालाँकि महिला आंदोलन के बाद से, हमने बेनोट यिसरेल, इज़राइल की बेटियों के बारे में अधिक सुना है, लेकिन पुराने नियम के कुछ अनुवादों में इस शब्द का इस्तेमाल केवल उनके वंशजों, इज़राइलियों को संदर्भित करने के लिए भी किया जाता है।

यही हैं बनी यिसरेल, यानी इस्राएल के लोग। आमोस और होशे के समय में, इस्राएल का विशेष उल्लेख राज्य के विभाजित होने के बाद हुआ था। वह राज्य इस्राएल था, और वह दो भागों में विभाजित था।

उत्तरी जनजातियों को इसराइल कहा जाता था। दक्षिणी राज्य निश्चित रूप से यहूदा था। हालाँकि, आमोस, जबकि कभी-कभी वह उत्तरी राज्य को यूसुफ के घराने के रूप में संदर्भित करता है, आमतौर पर सबसे बड़ी जनजाति, एप्रैम का नाम नहीं इस्तेमाल करता है।

लेकिन होशे ने इस दौरान ऐसा किया। 35 से ज़्यादा बार, इफ्राईम, एक हिब्रू शब्द जिसका अर्थ है दोगुना फलदायी, उत्तरी राज्य के लिए इस्तेमाल किया गया है। और इफ्राईम देश के इस बड़े केंद्रीय क्षेत्र में था।

यहोशू एप्रैम के गोत्र से था। क्या आपको लगता है कि इस्राएल के वादा किए गए देश में आते ही उसे शिलोह में निवासस्थान स्थापित करने में कोई निहित स्वार्थ था, जहाँ यह काफी समय तक रहा? शिलोह एप्रैम के गोत्र में था। गरिजिम पर्वत और एबाल पर्वत शाप थे, और आशीर्वाद का पाठ किया जाना था, जो एप्रैम में था।

सामरिया एप्रैम में था। इसलिए, एप्रैम वास्तव में हृदय का प्रतिनिधित्व करता था, उत्तरी राज्य के सबसे बड़े जनजातियों में से एक का केंद्रीय क्षेत्र। याकूब ने एप्रैम को गोद लिया था।

वह वास्तव में याकूब का पोता था। और उसने उसे अपने बेटों के समान दर्जा दिया। इसलिए, एप्रैम उत्तर के उत्तरी राज्य के लिए होशे का शब्द बन गया।

यदि होशे उत्तरी राज्य का घरेलू मिशनरी था, तो योना गथ-हेइफ़र से विदेशी मिशनरी था। दूसरी ओर, आमोस दक्षिण में टेकोआ से आया और उत्तर की ओर चला गया। तो यहाँ उत्तरी राज्य का हमारा तीसरा भविष्यवक्ता है।

कुछ लोगों ने होशे को पुराने नियम का संत जॉन कहा है। उनका मतलब शायद होशे के पिता से है, होशे ने परमेश्वर के अटल प्रेम, परमेश्वर के हेसेड के बारे में बात की है, जितना कि इस्राएल के किसी भी भविष्यवक्ता ने किया है। होशे में अपनी दुल्हन, इस्राएल के लिए परमेश्वर की करुणा और प्रेम पर निर्णायक जोर दिया गया है।

एक दुल्हन जो स्वच्छंद है, जैसा कि हम पुस्तक के आरंभ से जानते हैं। और यह पुस्तक आंशिक रूप से आत्मकथात्मक है और साथ ही एक पुस्तक है जो होशे की इस महिला से शादी के बारे में निर्देश देती है। और उस रिश्ते को तोड़ना जहाँ परमेश्वर को अब दया नहीं आती और वास्तव में अस्थायी रूप से कहता है, कम से कम अब तुम मेरे लोग नहीं हो।

ईश्वर और उत्तरी राज्य के बीच के रिश्ते में दरार आ गई है, दरार आ गई है। और इसलिए जो बात पैगंबर के अपने विवाह के बारे में सच थी, वही राष्ट्र के बारे में भी सच थी। और एक दूसरे की तस्वीर है।

और वे सभी एक साथ मिल जाते हैं, खास तौर पर शुरुआती कहानी में। शुरुआती कहानी की बात करें तो हम होशे को कैसे रेखांकित कर सकते हैं? मुझे लगता है कि सामग्री के तीन बड़े हिस्सों में। अध्याय एक से तीन तक, भविष्यवक्ता का विवाहित जीवन आपका मुख्य विषय है।

भविष्यवक्ता का विवाहित जीवन। गोमेर से उसका विवाह। अब जैसा कि मैंने अभी कहा कि होशे और गोमेर और तीन बच्चों से कहीं ज़्यादा है।

परमेश्वर इसका प्रतीकात्मक रूप से और संवादात्मक रूप से एक बड़ी तस्वीर के बारे में बात करने के लिए उपयोग कर रहा है। नबी के अपने जीवन में जो चल रहा था, वह बालवाद की कुछ वास्तविक गंभीर समस्याओं के बारे में भी सच था, जिसके कारण पवित्र वेश्यावृत्ति हुई और यह

सामान्य रूप से उत्तरी राज्य के बारे में सच था। अध्याय चार से तेरह तक इस्राएल की बेवफाई और उसके परिणामस्वरूप न्याय है।

इसलिए, हमारे पास चौथे से तेरहवें अध्याय में बहुत सी कथाएँ हैं जो इस्राएल के हेसेड के परमेश्वर, वाचा के प्रेम के परमेश्वर के प्रति विश्वासघात की बात करती हैं। मैं हेसेड के अर्थ के बारे में बात करूँगा जिसका अर्थ है कि परमेश्वर के पास वफ़ादार प्रेम है और वह चाहता है कि उसके लोग उसी हेसेड, वफ़ादार प्रेम के साथ प्रतिदान करें। लेकिन उन अध्यायों में परमेश्वर की वफ़ादारी के बारे में काफ़ी कुछ है लेकिन परमेश्वर इस्राएल के कारण नहीं बल्कि इस्राएल के बावजूद वहाँ टिका हुआ है।

और मैं यह भी कह सकता हूँ कि, एक तरफ, मैं ईश्वर की कृपा में दृढ़ता से विश्वास करता हूँ क्योंकि यह किसी भी सच्चे आस्तिक के जीवन में बनी रहती है, ठीक यही कारण है कि होशे की पुस्तक सिखाती है कि कुछ भी हमें मसीह के प्रेम से अलग नहीं कर सकता, जैसा कि नए नियम में कहा गया है। हम अपनी दौड़ लगा सकते हैं, हम कुछ समय के लिए भी विश्वासघाती साबित हो सकते हैं लेकिन ईश्वर दृढ़ रहता है।

उसका प्रेम एक शाश्वत प्रेम है। वह उन लोगों को जाने नहीं देता जो वास्तव में उसके हैं। वे उसे अपने जीवन से बाहर धकेल सकते हैं जहाँ वह एक जीवित वास्तविकता नहीं है, लेकिन अंत में, परमेश्वर जीतेगा, और लोग वापस आएँगे।

और यही इस पुस्तक के भाग का तीसरा मुख्य बिंदु है। अध्याय 14 में वापस लौटने का आह्वान है , और यह अध्याय 14 का पहला शब्द है। हे इस्राएल, अपने परमेश्वर यहोवा के पास लौट आ।

आप लड़खड़ा गए हैं, लेकिन अगर आप वापस आएँ तो क्षमा और आशीर्वाद अभी भी आपके पास हो सकते हैं। इसलिए, यह पुस्तक एक विश्वासघाती लोगों की कहानी पर लौटने का आह्वान है, लेकिन एक दृढ़ ईश्वर। जब लोग मुझे बताते हैं कि वे आज मध्य पूर्व में इज़राइल को देखते हैं और देखते हैं कि यह आधुनिक राष्ट्र-राज्य कितना अपूर्ण है और सैन्य कार्रवाइयों या सरकार द्वारा लिए गए निर्णयों में वे कितने दोषपूर्ण और कभी-कभी विफल होते हैं।

और मुझे अक्सर पुराने नियम में इस्राएल की याद आती है। परमेश्वर की वफ़ादारी कायम है। यह प्राचीन इस्राएल या आधुनिक इस्राएल की वजह से नहीं है कि आपके पास पूर्णता की तस्वीर है, बल्कि परमेश्वर दुनिया में अपने उद्देश्यों के प्रति सच्चा बना हुआ है।

भगवान दोषपूर्ण बर्तनों का उपयोग करता है। भगवान दोषपूर्ण बर्तनों का उपयोग करता है। यह प्रोफेसर इसे देखने वाले पहले व्यक्ति थे।

ये ही वे लोग हैं जिन्हें परमेश्वर इस्तेमाल करता है। मसीहा के वंश में महिलाओं को देखें। मैथ्यू की वंशावली में आपको मिलने वाली पहली चार में से तीन महिलाएँ बदनाम हैं, लेकिन परमेश्वर मानवीय पाप के बावजूद काम करता है।

ठीक है, तो यहाँ इसराइल की एक तस्वीर है। दुनिया में इसराइल के उद्देश्य उसकी अपनी व्यक्तिगत निष्ठा के मामले में ऊपर और नीचे थे, लेकिन परमेश्वर ने कभी हार नहीं मानी। परमेश्वर ने कभी हार नहीं मानी।

और इसलिए जब हम इस पुस्तक को पढ़ते हैं, तो मुझे लगता है कि इसका केनन में बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। होशे का संदेश तब इस्राएल के प्रभु के प्रति विश्वासघात की बात करता है, और होशे द्वारा इसे एक ऐसी पत्नी के रूप में दर्शाया गया है जिसने अपने वफादार पति को छोड़कर प्रेमिकाओं, यानी प्रेमियों का अनुसरण किया है। अब हम होशे के विवाह को कैसे समझते हैं, मैं संक्षेप में होशे के गोमेर से विवाह की व्याख्या करने के कई संभावित तरीकों का उल्लेख करूँगा।

मैंने कहा कि यह होशे के सबसे चुनौतीपूर्ण भागों में से एक है। इस बारे में सोचते हुए कि हम शुरुआती आयतों की व्याख्या कैसे कर सकते हैं, जो होशे 1-2 में कहती है, प्रभु ने होशे से कहा, जाओ अपने लिए एक वेश्या या व्यभिचारी पत्नी ले लो जैसा कि NIV कहता है और वेश्यावृत्ति से बच्चे पैदा करो क्योंकि देश बहुत बड़ी वेश्यावृत्ति करता है, यह RSV भाषा है, प्रभु को त्याग कर। इस भाषा को समझने का एक तरीका यह है कि यह आध्यात्मिक व्यभिचार की बात करती है।

गोमेर को वेश्यावृत्ति की पत्नी इसलिए नहीं कहा जाएगा क्योंकि वह एक अनैतिक महिला थी बल्कि इसलिए क्योंकि वह आध्यात्मिक रूप से व्यभिचारी लोगों से संबंधित थी। इस्राएल का विवाह टूट गया था। इस्राएल सिनाई आया और यहोवा के प्रति अपनी निष्ठा की प्रतिज्ञा की, और जो कुछ यहोवा ने कहा, इस्राएल ने उत्तर दिया, हम वह करेंगे; हम सहमत हैं।

इसलिए जो लोग इसे आध्यात्मिक रूप से व्याख्या करते हैं, वे कहेंगे कि यह एक मूर्तिपूजक लोग हैं। गोमेर शब्द के आध्यात्मिक अर्थ में एक वेश्या या व्यभिचारी है क्योंकि इस्राएल ने परमेश्वर को त्याग दिया था जैसे एक वेश्या अपने पति को त्याग देती है, इसलिए गोमेर आध्यात्मिक व्यभिचार का दोषी है। पुस्तक के लिए एक और व्याख्यात्मक दृष्टिकोण यह है कि गोमेर एक पेशेवर पंथ वेश्या है, जो बाल के कनानी प्रजनन संस्कारों का भक्त है।

हालाँकि, धार्मिक वेश्या के लिए तकनीकी हिब्रू शब्द का इस्तेमाल उसके लिए नहीं किया गया है। हम मूसा के कानून में पुरुष वेश्याओं के लिए एक तकनीकी शब्द और महिला वेश्याओं के लिए एक और शब्द पाते हैं जो कनानी धार्मिक मंदिरों के आसपास काम करती थीं। यहाँ इस शब्द का अभाव है।

और इसके अलावा मुझे लगता है कि इस तरह के व्यक्ति से विवाह करना होशे के लिए किसी भी तरह से कम अप्रिय नहीं होता, जो एक साधारण व्यभिचारिणी से विवाह करने की तुलना में पंथ वेश्यावृत्ति की कड़ी निंदा करता है। इसका एक और तरीका है रूपक या दृष्टांतवादी दृष्टिकोण। वास्तव में, रूपक जॉन कैल्विन और काइल ऑफ कील और डेलिट्ज़्च की प्रसिद्धि है, जो हिब्रू बाइबिल पर हमारे पुराने टिप्पणीकारों में से एक है, जो इस दृष्टिकोण को मानते थे।

यह कहना कि यह इस्राएल की बेवफाई का आध्यात्मिक पाठ देने के लिए बनाया गया दृष्टांत या रूपक था। होशे ने वास्तव में यह विवाह नहीं किया था। जैसा कि आप दृष्टांतों से जानते हैं, कोई

भी इस मुद्दे पर जोर नहीं देता कि कहानी वास्तव में घटित हुई थी या नहीं, लेकिन यह एक शिक्षण उपकरण हो सकता है।

महान मध्ययुगीन यहूदी दार्शनिक, निश्चित रूप से सभी समय के सबसे महान यहूदी विचारकों में से एक, मैमोनाइड्स ने इस विशेष दृष्टिकोण को अपनाया। उन्होंने तर्क दिया कि वास्तव में यह घटना एक दृष्टि या सपने में हुई थी। यह कभी भी पैगंबर के जीवन में एक वास्तविक घटना नहीं थी।

हेशेल, जो वैसे तो मैमोनाइड्स के विशेषज्ञ थे और उन्होंने मैमोनाइड्स पर एक किताब लिखी थी, जो हमारे पास लाइब्रेरी में मौजूद है, अब्राहम जोशुआ हेशेल, मैमोनाइड्स के इस दृष्टिकोण को एक रूपक या दृष्टांत के रूप में लेने के तरीके को खारिज करते हैं और इस तरह की व्याख्या के साथ आठ समस्याओं को सूचीबद्ध करते हैं। चौथा तरीका हेशेल का इसे समझने का अपना तरीका है, जिसे हेशेल के लिए, कोई सहानुभूति दृष्टिकोण कह सकता है। यानी, यहूदी लोगों के सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण का यह अनुभव एक बार पैगंबर के लाभ के लिए था।

यह उसे व्यक्तिगत रूप से इस्राएल के बारे में परमेश्वर की भावनाओं के प्रति सहानुभूतिपूर्ण बनाना था। नबी को खुद अपने विवाह में बहुत घायल और आहत होना पड़ा ताकि वह वास्तव में अस्तित्वगत रूप से महसूस कर सके कि परमेश्वर कैसा महसूस करता है, परमेश्वर का करुणामय भाव, परमेश्वर की चिंता। यदि आप ईश्वरीय सहानुभूति जानना चाहते हैं, तो नबी को अपने अनुभव के माध्यम से इस ईश्वरीय सहानुभूति को समझना होगा।

तो, विवाह की कहानी भविष्यवक्ता का अनुभव है, और इस घटना ने होशे के जीवन को झकझोर कर रख दिया, और यही वास्तव में परमेश्वर की चिंता थी जिसका उद्देश्य होशे को प्रभावित करना और यह देखना था कि परमेश्वर अपने लोगों की स्थिति के बारे में कैसा महसूस करता है। परमेश्वर चीजों को इसी तरह देखता है। इसलिए हम इसे सहानुभूति का दृष्टिकोण कह सकते हैं और आप भविष्यवक्ताओं पर हेशेल की पुस्तक पढ़ सकते हैं क्योंकि परमेश्वर का करुणामय होना हेशेल का एक बड़ा, बड़ा विषय है।

अगली बार जब हम वापस आएं तो मैं इसके बारे में और अधिक बताऊंगा।